



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 51] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 1, 1988/माघ 12, 1909
No. 51] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 1, 1988/MAGHA 12, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्र संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1988

अधिसूचना

सं. 5/88—केन्द्रीय उत्पादशुल्क (एन. टी.)

सा. का. नि. 68(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसी प्रथा
के अनुसार जो उत्पादशुल्क के उदग्रहण की बाबत (जिसके अंतर्गत उसका उदग्रहण न किया

जाना भी है) केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन साधारणतया प्रचलित थी, जूट फाइबर, टूइस्ट, सूत, धागा, रस्सा और रज्जुक पर, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 53 या 56 के अंतर्गत आते हैं और जिनका उपयोग ऐसे कारखाने में किया जाता है जहां उसका उक्त अनुसूची के अध्याय 53, 56, 57 या 63 के अंतर्गत आने वाले जूट उत्पादों के विनिर्माण के लिए उत्पादन किया जाता है, 1 मार्च, 1986 को प्रारंभ होने वाली और 18 जनवरी, 1987 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान, उक्त अवधि के दौरान इस प्रकार प्रभावी उत्पादशुल्क के संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई किसी अधिसूचना के साथ पठित उक्त धारा 3 के अधीन कोई उत्पादशुल्क उदग्रहीत नहीं किया जा रहा था;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि ऐसे जूट फाइबर, टूइस्ट, सूत, धागा, रस्सा और रज्जुक पर उक्त अधिनियम के अधीन संदेय पूर्ण उत्पादशुल्क, यदि उक्त प्रथा न होती, ऐसे जूट फाइबर, टूइस्ट, सूत, धागा, रस्सा और रज्जुक के संबंध में संदाय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिन पर उक्त प्रथा के अनुसार उपर्युक्त अवधि के दौरान उक्त उत्पादशुल्क उदग्रहीत नहीं किया जा रहा था।

[फा. स. 53/2/87-सी एक्स. 1]

ए. के. प्रसाद, भवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 1st February, 1988

NOTIFICATION

NO. 5/88-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G S R. 68 (E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on jute fibre, twist, yarn, thread, rope and twine, falling under Chapter 53 or 56 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and consumed within the factory in which it is produced for the manufacture of jute products falling under Chapter 53, 56, 57 or 63 of the said Schedule, was not being levied during the period commencing on the 1st March, 1986 and ending with the 18th January, 1987, under the said section 3 read with any notification issued by the Central Government in relation to the duty of excise so chargeable during the said period:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act, on such jute fibre, twist, yarn, thread, rope and twine, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such jute fibre, twist, yarn, thread, rope and twine on which the said duty of excise was not being levied during the period aforesaid in accordance with the said practice.

[F. No. 53/2/87-CX.I]

A. K. PRASAD, Under Secy,

